(आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 31281/78)

O.I.G.S.

सत्यमेव जयते

डाक पंजीयन क्रमांक जयपुर सिटी/205/2024-26

राजस्थान

रोज़गार संदेश

पाक्षिक

(राजस्थान सरकार के रोजगार सेवा निदेशालय द्वारा प्रकाशित व्यावसायिक मार्गदर्शन एवं रोजगार संबंधी सूचनाओं का एकमात्र प्रकाशन)

वर्ष 48 अंक 6 (Website:http://employment.livelihoods.rajasthan.gov.in) 01 मई, 2025 मूल्य: 3.00 वार्षिक शुल्क 60रु

सफल जीवन की कुंजी: व्यवहार कौशल की महत्ता

-नेहा दीक्षित

प्रस्तावना

आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल शैक्षणिक योग्यता या तकनीकी दक्षता ही सफलता की गारंटी नहीं देती। किसी भी व्यक्ति के संपूर्ण विकास और व्यावसायिक सफलता में उसके व्यवहार कौशल (Behavioral Skills) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। व्यवहार कौशल वे अंतर्निहित गुण होते हैं जो किसी व्यक्ति के सोचने, प्रतिक्रिया देने, संवाद करने और टीम में कार्य करने की क्षमता को दर्शाते हैं। इन्हें 'सॉफ्ट स्किल्स' भी कहा जाता है।

क्या हैं व्यवहार कौशल?

व्यवहार कौशल में संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, समस्या समाधान, समय प्रबंधन, लचीलापन, आत्म-प्रेरणा, आत्मविश्वास, सहानुभूति और नैतिकता जैसे गुण शामिल होते हैं। ये वे गुण हैं जो हमें दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और कामकाज में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने में सहायता करते हैं।

1. **संचार कौशल (Communication Skills):** किसी भी संगठन या सामाजिक स्थिति में स्पष्ट और प्रभावी संचार सफलता की कुंजी है। एक अच्छा संचारक अपने विचारों को न केवल प्रभावी रूप से प्रस्तुत करता है, बल्कि दूसरों की बात को भी समझता और उसका सम्मान करता है। इसमें शारीरिक भाषा, सुनने की क्षमता और संवाद का तरीका शामिल होते हैं।

2. **नेतृत्व क्षमता (Leadership Skills):** नेतृत्व केवल निर्देश देना नहीं होता, बल्कि यह दूसरों को प्रेरित करने, मार्गदर्शन देने और टीम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की कला है। एक अच्छे नेता में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सहिष्णुता जैसे गुण अनिवार्य होते हैं।
3. **टीमवर्क (Teamwork):** आज के दौर में व्यक्तिगत प्रयासों की तुलना में टीमवर्क को अधिक महत्व दिया जाता है। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए लोगों के साथ सामंजस्य बनाकर कार्य करना एक महत्वपूर्ण व्यवहारिक कौशल है। यह सहयोग, लचीलापन और सहिष्णुता की मांग करता है।
4. **समय प्रबंधन (Time Management):** समय का प्रबंधन करना एक कला है। व्यक्ति जितनी कुशलता से अपने समय का प्रबंधन करता है, उतनी ही उसकी उत्पादकता और सफलता की संभावना बढ़ जाती है। इसमें प्राथमिकताओं को पहचानना, योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना और समय सीमा का पालन करना शामिल है।
5. **समस्या समाधान और निर्णय क्षमता:** किसी भी संगठन या जीवन की चुनौतियों में समाधान निकालना आवश्यक होता है। इसके लिए विश्लेषणात्मक सोच, तर्कशक्ति और परिस्थितियों को समझने की क्षमता आवश्यक है। व्यवहार कौशल से व्यक्ति बिना घबराए समाधान खोजने में सक्षम होता है।
6. **आत्म-प्रेरणा और आत्म-नियंत्रण** जीवन में सफलता पाने के लिए स्वयं प्रेरित रहना आवश्यक है। यही आंतरिक ऊर्जा व्यक्ति को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। साथ ही, भावनात्मक नियंत्रण और संयम भी व्यवहारिक सफलता में सहायक होते हैं।
7. **सहानुभूति और सामाजिक समझ:** दूसरों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना व्यवहार कौशल का मूल तत्व है। इससे एक समावेशी, सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है।

व्यवसायिक दुनिया में व्यवहार कौशल का महत्व: कॉरपोरेट जगत में आजकल केवल तकनीकी दक्षता को नहीं देखा जाता, बल्कि कर्मचारियों के व्यवहार कौशल को भी उच्च प्राथमिकता दी जाती है। एक अच्छा इंजीनियर, डॉक्टर या शक्षक वही माना जाता है जो अपने ज्ञान के साथ-साथ टीम के साथ सामंजस्य स्थापित कर सके, ग्राहकों से संवाद कर सके और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित कर सके।

शिक्षा प्रणाली में व्यवहार कौशल का समावेश

भारत में अब नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के अंतर्गत व्यवहार कौशल को भी शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग बनाया जा रहा है। छात्रों में संवाद कौशल, टीमवर्क, नैतिकता और आत्म-विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि वे केवल अच्छे छात्र ही नहीं, बल्कि अच्छे नागरिक भी बन सकें।

सरकारी सेवाओं में व्यवहार कौशल का महत्व

प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और अन्य सरकारी कर्मचारियों के लिए व्यवहार कौशल अत्यंत आवश्यक हैं। जनसंपर्क, संवेदनशीलता, संयम और पारदर्शिता जैसे गुण प्रशासनिक कार्यों को जनोन्मुखी बनाते हैं और जनता के विश्वास को सुदृढ़ करते हैं।

व्यवहार कौशल को कैसे विकसित करें?

व्यवहार कौशल कोई जन्मजात गुण नहीं होते। इन्हें अभ्यास, आत्मविश्लेषण और सही मार्गदर्शन से विकसित किया जा सकता है। इसके लिए निम्नलिखित उपाय सहायक हो सकते हैं:

1. प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं (Workshops): विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित व्यवहार कौशल कार्यशालाएं व्यक्ति के आत्म-विकास में सहायक होती हैं।
2. पुस्तकें एवं संसाधन: व्यवहार कौशल पर आधारित साहित्य पढ़ना और शैक्षिक वीडियो देखना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।
3. प्रतिक्रिया लेना: अपने सहकर्मियों या वरिष्ठों से प्रतिक्रिया लेकर निरंतर सुधार करते रहना चाहिए।
4. ध्यान और योग: मानसिक संतुलन और आत्म-नियंत्रण के लिए ध्यान और योग का अभ्यास अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

निष्कर्ष

विकासशील भारत में जहां एक ओर तकनीकी प्रगति हो रही है, वहीं दूसरी ओर यह अत्यावश्यक हो गया है कि हम अपने नागरिकों में व्यवहार कौशल का विकास करें। यह केवल एक व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाता है, बल्कि संपूर्ण समाज को अधिक सहिष्णु, सकारात्मक और प्रगतिशील बनाता है। व्यवहार कौशल ही वे अदृश्य धागे हैं जो हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को एक सूत्र में बांधते हैं।

लेखिका RSLDC में पीआर और आईईसी सलाहकार के पद पर कार्यरत है।

रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन(डीआरडीओ)
भर्ती व आंकलन केन्द्र(आरएसी)

लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-110054

डीआरडीओ में वैज्ञानिकों की भर्ती

Advt. No. 152

विज्ञापन की अंतिम तिथि: 09 मई 2025 (शाम 4 बजे)

राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित क्रिटिकल प्रौद्योगिकीयों में आत्मनिर्भरता की खोज में डीआरडीओ, राष्ट्र की रक्षा के लिए विभिन्न सिस्टम, उपसिस्टम,उपकरण और अपेक्षित उत्पादों के वैज्ञानिकी अनुसंधान, डिजाइन, विकास, परीक्षण और आंकलन के प्रोग्राम फॉर्म्युलेट करता है और क्रियान्वित करता है. डीआरडीओ, ग्रुप 'क' तकनीकी सेवा जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (डीआरडीएस) में उच्च अर्हताप्राप्त और सक्षम वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीयों की नियुक्ति करता है. आरएसी, डीआरडीओ में डीआरडीएस काडर में निम्नलिखित पदों के लिए आरएसी वेबसाइट (**https://rac.gov.in**) द्वारा ऑनलाइन भर्ती आवेदन आमंत्रित करता है:

वैज्ञानिक 'एफ'(मूल वेतन: रुपये 1,31,100/-, लेवल 13ए 7वें सीपीसी के अनुसार) - 01 रिक्ति

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
1	01	**नौसेना आर्किटैक्चर/मरीन/सिविल इंजीनियरी ***	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नौसेना आर्किटैक्चर/मरीन/ सिविल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री। **(ii) मरीन स्ट्रक्चर्स के अनुसंधान या अभिकल्प या विकास या उत्पादन में न्यूनतम 13 वर्ष का अनुभव।** **वांछनीय:** **(i)** नौसेना निर्माण में पीजी डिप्लोमा को प्राथमिकता दी जाएगी। **(ii)** आशियन इंजीनियरी /नौसेना आर्किटैक्चर/ मेटालर्जी/सामग्री विज्ञान /जंग विज्ञान में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(iii)** शिप लिफ्ट सुविधा /डॉकिंग सुविधा में काम करने का अनुभव। **(iv)** इंजीनियरी में पोस्ट डॉक्टरल/डॉक्टरेट डिग्री या संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री । **(v)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान। **(vi)** परियोजना प्रबंधन या सामग्री प्रबंधन या संसाधन प्रबंधन या संगठन विकास के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधित गतिविधियों को संभालने और समन्वयन करने के लिए अनुसंधान और विकास प्रबंधन में चार वर्ष का अनुभव।	1.नवल इंजीनियरी 2.नवल आर्किटैक्चर 3.नवल आर्किटैक्चर और ओशियन इंजीनियरी। 4.नवल आर्किटैक्चर और ऑफशोर इंजीनियरी। 5. नवल आर्किटैक्चर और मरीन इंजीनियरी। 6.नवल आर्किटैक्चर और शिप बिल्डिंग। 7.मरीन इंजीनियरी। 8. ओशियनोग्राफी इंजीनियरी। 9.सिविल इंजीनियरी। 10. सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरी। 11. सिविल और पर्यावरण इंजीनियरी। 12.सिविल और ग्रामीण इंजीनियरी। 13.सिविल और जल प्रबंधन इंजीनियरी। 14. सिविल और आधारसंरचना इंजीनियरी। 15. निर्माण इंजीनियरी और प्रबंधन। 16. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'नवल' या 'मरीन' या 'सिविल' उल्लिखित हो।

वैज्ञानिक 'ई'(मूल वेतन:रूपये 1,23,100/-, लेवल 13 7वें सीपीसी के अनुसार) - 04 रिक्तियां

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
2	01	नौसेना आर्किटैक्चर /मरीन/सिविल इंजीनियरी*	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से नौसेना आर्किटैक्चर/मरीन/ सिविल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री। **(ii)** मरीन वाहनों के निर्माण/मरम्मत/आधुनिकीकरण के क्षेत्र में अनुसंधान या अभिकल्प या विकास या उत्पादन में न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव। **वांछनीय:** **(i)** नौसेना निर्माण में पीजी डिप्लोमा को प्राथमिकता दी जाएगी। **(ii)** मरीन व्हीकल्स कवरिंग रेसिस्टेंस, प्रोपलशन, मनोवरिंग और सीकीपिंग का ज्ञान। **(iii)** अनिवार्य योग्यता में उल्लिखित अनुसार संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(iv)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1.नवल इंजीनियरी 2.नवल आर्किटैक्चर 3.नवल आर्किटैक्चर और ओशियन इंजीनियरी। 4.नवल आर्किटैक्चर और ऑफशोर इंजीनियरी। 5. नवल आर्किटैक्चर और मरीन इंजीनियरी। 6.नवल आर्किटैक्चर और शिप बिल्डिंग। 7.मरीन इंजीनियरी। 8. ओशियनोग्राफी इंजीनियरी। 9.सिविल इंजीनियरी। 10. सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरी। 11. सिविल और पर्यावरण इंजीनियरी। 12.सिविल और ग्रामीण इंजीनियरी। 13.सिविल और जल प्रबंधन इंजीनियरी। 14. सिविल और आधार संरचना इंजीनियरी। 15. निर्माण इंजीनियरी और प्रबंधन। 16. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'नवल' या 'मरीन' या 'सिविल' उल्लिखित हो।
3	01	इलैक्ट्रिकल व इलैक्ट्रॉनिक्स/ इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन/ इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रूमेंटेशन	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** इलैक्ट्रिकल व इलैक्ट्रॉनिक्स/इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन/ इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii) निम्नलिखित में से एक या अधिक में अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम 10 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव:** **क.** पावर जनरेशन एंड डिस्ट्रिब्यूशन इन एयरबोर्न /नवल प्लेटफॉर्म। **ख.** नेवीगेशन एंड कम्यूनिकेशन सिस्टम्स ऑफ एयरबोर्न/नवल प्लेटफार्म। **ग.** ऑपरेशन ऑफ नेट सेंट्रिक इक्विपमेंट ऑफ एयरबोर्न /नवल प्लेटफॉर्म। **घ.** ऑपरेशन ऑफ एवियोनिक्स, नेवीगेशन एंड कम्युनिकेशन ऑफ यूएवी। **वांछनीय:** **(i)** आरएफ/वीएलएसआई/माइक्रोइलैक्ट्रॉनिक्स/कम्युनिकेशन/नियंत्रण इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** इलैक्ट्रिकल /इलैक्ट्रॉनिक्स/कम्नयुनिकेशन इंजीनियरी में डॉक्टरेट डिग्री। **(iii)** अनुसंधान/डिजाइन/ विकास/उत्पादन में न्यूनतम 3 वर्ष का प्रबंधकीय अनुभव। **(iv)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्प्युटर इंजीनियरी। 2. इलैक्ट्रॉनिक्स व नियंत्रण इंजीनियरी। 3. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन सिस्टम इंजीनियरी। 4. इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीमैटिक्स इंजीनियरी। 5. औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी। 6. टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरी। 7. टेलीकम्यूनिकेशन और जानकारी टेक। 8. अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी 9. इलैक्ट्रॉनिक्स एंड इलैक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरी। 10. इलैक्ट्रिकल के साथ कम्युकिनकेशन इंजीनियरी 11. रेडियो फिजिक्स और इलैक्ट्रॉनिक्स। 12. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी (एवियोनिक्स)। 13. इलैक्ट्रिकल पावर सिस्टम इंजीनियरी। 14. इलैक्ट्रिकल व रिन्यूवेबल एनर्जी इंजीनियरी 15. पावर इंजीनियरी। 16. पावर इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी। 17. इलैक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन व कंट्रोल इंजीनियरी। 18. इलेक्ट्रिकल व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी। 19. इलेक्ट्रिकल इंस्ट्रुमेंटेशन व कंट्रोल इंजीनियरी। 20. पावर इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी।

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
				21. इलैक्ट्रॉनिक कम्यूनिकेशन व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी। 22. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'इलैक्ट्रॉनिक्स' या 'इलैक्ट्रिकल' या 'इंस्ट्रुमेंटेशन' उल्लिखित हो।
4	01	मेटालर्जीकल इंजीनियरी/ सामग्री विज्ञान इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेटालर्जीकल इंजीनियरी/सामग्री विज्ञान इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii) निम्नलिखित में से एक या अधिक में अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम 10 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव:** **क.एयरोस्पेस या एयरोनॉटिकल सामग्री।** **ख.** टीआई, एएल, एएनआई आधारित एलॉए, स्टील, नेनो सामग्री, मेग्नेटिक सामग्री, इलैक्ट्रॉनिक सामग्री, स्मार्ट सामग्री आदि का कैकेक्टराइजेशन। ग. एयरोस्पेस या एयरोनॉटिकल सामग्री का कास्टिंग/फोर्जिंग/एडिटिव निर्माण/ वल्डिंग **वांछनीय:** **(i)** मेटालर्जी इंजीनियरी/सामग्री विज्ञान इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** मेटालर्जी इंजीनियरी/सामग्री विज्ञान इंजीनियरी में डॉक्टरेट डिग्री। **(iii)** अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम 3 वर्ष का प्रबंधन अनुभव। **(iv)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1.मेटालर्जी और सामग्री टेक। 2.मेटालर्जीकल इंजीनियरी 3.सामग्री इंजीनियरी। 4.सामग्री विज्ञान इंजीनियरी। 5.सामग्री विज्ञान और मेटालर्जीकल इंजीनियरी। 6. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'नवल' या 'मरीन' या 'सिविल' उल्लिखित हो।
5	01	कैमिकल इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेटालर्जीकल इंजीनियरी/सामग्री विज्ञान इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii)** निम्नलिखित में से एक या अधिक में अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम 10 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव: क.विस्फोटक, प्रोपेलैंट और उपकरणों का आंकलन/गुणवत्ता आश्वासन/परीक्षण। ख. अनुप्रयुक्त केमिकल और पॉलीमर प्रौद्योगिकी। ग. कैमिकल/पॉलीमर/एडिटिव निर्माण/स्टील्थ/नेनो सामग्री। घ. कैमिकल/पॉलीमर/एडिटिव निर्माण/स्टील्थ/नेनो सामग्री में गुणवत्ता आश्वासन या गुणवत्ता नियंत्रण। **वांछनीय:** **(i)** केमिकल इंजीनियरी में एम.टेक/एम.ई। **(ii)** केमिकल इंजीनियरी/केमिकल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉक्टरेट डिग्री। **(iii)** अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम 3 वर्ष का प्रबंधन अनुभव। **(iv)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1.कैमिकल इंजीनियरी। 2.केमिकल प्रौद्योगिकी। 3.कैमिकल संयत्र इंजीनियरी। 4.अनुप्रयुक्त कैमिकल व पॉलीमर प्रौद्योगकी। 5.पॉलीमर विज्ञान व कैमिकल प्रौद्योगिकी। 6.केमिकल विज्ञान व प्रौद्योगिकी। 7. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'नवल' या 'मरीन' या 'सिविल' उल्लिखित हो।

वैज्ञानिक 'डी' (मूल वेतन: रुपये 78,800/-, लेवल 12 7वें सीपीसी के अनुसार) - 04 रिक्तियां

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
6	01	मेकेनिकल इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। (ii) नए उत्पादों के डिजाइन, विस्तृत डिजाइन और इंजीनियरी विश्लेषण, तकनीकी विशिष्टता की इवोलविंग, निर्माण चित्रों की समीक्षा और फेब्रिकेटर के साथ संपर्क, इंस्टॉलेशन और ट्रायल के दौरान फील्ड इंजीनियरी। **वांछनीय:** **(i)** अनिवार्य योग्यता में उल्लिखित अनुसार संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1. मेकेनिकल इंजीनियरी 2. मेकेनिकल और ऑटोमेशन इंजीनियरी। 3. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी 4. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में मेकेनिकल' उल्लिखित हो।
7	01	कैमिकल इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii)** कार्बन डाइ ऑक्साइड और प्रदूषक कैप्च्युअर/निकालने जैसे पर्यावरण एप्लीकेशन के लिए एबसॉर्पशन प्रौद्योगिकीयों के लिए कार्बोनेशियस सामग्रीयों सहित खोखले सामग्रीयों के प्रायोगिक अनुसंधान, डिजाइन और विकास में न्यूनतम सात वर्ष का अनुभव। **वांछनीय:** **(i)** अनिवार्य योग्यता में उल्लिखित अनुसार संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1.कैमिकल इंजीनियरी 2. कैमिकल प्रौद्योगिकी 3.कैमिकल संयत्र इंजीनियरी 4.अनुप्रयुक्त कैमिकल व पॉलीमर प्रौद्योगिकी। 5.पॉलीमर विज्ञान व कैमिकल प्रौद्योगिकी। 6.कैमिकल विज्ञान व प्रौद्योगिकी। 7. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'केमिकल' उल्लिखित हो।
8	01	मेकेनिकल इंजीनियरी/एयरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल/एयरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। (ii) निम्नलिखित में से एक या अधिक में अनुभव के साथ एयरो गैस टर्बाइन और उसके सिस्टम से संबंधित अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम सात वर्ष का व्यावहारिक अनुभव: क.अनुसंधान या डिजाइन गतिविधियां। ख.निमर्रण, मरम्मत और ओवरहॉल का ज्ञान। ग.जीवन विस्तार का ज्ञान। घ.टेस्टिंग और ट्रबलशूटिंग का ज्ञान।	1.एयरोस्पेस इंजीनियरी 2.एयरोनॉटिकल इंजीनियरी 3. मेकेनिकल इंजीनियरी 4.मेकेनिकल व ऑटोमेशन इंजीनियरी 5. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी 6. एयरोस्पेस इंजीनियरी (एवियोनिक्स) 7. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'केमिकल' उल्लिखित हो।

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
			च.कास्टिंग, फोर्जिंग, मशीनिंग, मेकेनिकल मेटालर्जी आदि का ज्ञान। **छ.गुणवत्ता आश्वासन का ज्ञान।** **वांछनीय:** **(i)** मेकेनिकल इंजीनियरी डोमेन/गैस टर्बाइन इंजन/एयरास्पेस प्रोपलशनसिस्टम में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** मेकेनिकल इंजीनियरी/गैस टर्बाइन इंजन/प्रोपलशन सिस्टम/एयरोनॉटिक्स में डॉक्टरेट डिगी। **(iii)** जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	
9	01	मेकेनिकल/ एयरोस्पेस/एयरोनॉटिकल	**योग्यता:** **अनिवार्य:** (i) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल/एयरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। (ii) निम्नलिखित में से एक या अधिक में अनुभव के साथ एयरो गैस टर्बाइन और उसके सिस्टम से संबंधित अनुसंधान/डिजाइन/विकास/उत्पादन में न्यूनतम सात वर्ष का व्यावहारिक अनुभव: क.वायुजनित सिस्टम के अनुसंधान या डिजाइन गतिविधियां। ख. एयरोमेकेनिकल सिस्टम के डिजाइन और विकास या उत्पादन। ग.एयरोमेकेनिकल सिस्टम के कास्टिंग, फोर्जिंग, मशीनिंग, मेकेनिकल मेटालर्जी। घ.एयरोमेकेनिकल सिस्टम का गुणवत्ता आश्वासन। **वांछनीय:** (i) मेकेनिकल इंजीनियरी डोमेन/ एरोस्पेस/एयरोनॉटिक्स में स्नातकोत्तर डिग्री। (ii) मेकेनिकल इंजीनियरी/एयरानॉटिक्स में डॉक्टरेट डिग्री। (iii) जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1.एयरोस्पेस इंजीनियरी 2.एयरोनॉटिकल इंजीनियरी 3. मेकेनिकल इंजीनियरी 4.मेकेनिकल व ऑटोमेशन इंजीनियरी 5. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी 6. एयरोस्पेस इंजीनियरी (एवियोनिक्स) 7. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'केमिकल' उल्लिखित हो।

वैज्ञानिक 'सी' (मूल वेतनः रूपये 67,700/-, लेवल 11 7वें सीपीसी के अनुसार) - 12 रिक्तियां

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
10	02	एसरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल/एयरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii)** एयरक्राफ्ट कनफिगरेशन डिजाइन/विश्लेषण/विकास/अनुसंधान के लिए एयरोडाइनामिक्स में न्यूनतम तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। **वांछनीय:** **(i)** एयरोस्पेस/एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर उग्री। **(ii)** सीएफडी उपकरण/विंड टनल टेस्टिंग/एयरोडाटा जनरेशन/एयरक्राफ्ट निष्पादन में अनुभव। **(iii)** सी/मतलब/पायथन में प्रोग्रामिंग अनुभव।	**1.एयरोस्पस इंजीनियरी** **2.एयरानॉटिकल इंजीनियरी** **3.एयरोस्पेस इंजीनियरी(एवियोनिक्स)** **4.अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'केमिकल' उल्लिखित हो।**
11	02	मेकेनिकल/ एयरोस्पेस इंजीनियरी	**योग्यता:** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल/एयरोस्पेस/ एयरोनॉटिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii)** मेकेनिकल सिस्टम/ प्रोपलशन सिस्टम के डिजाइनिंग में न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव। **वांछनीय:** **(i)** मेकेनिकल इंजीनियरी/एयरोस्पेस इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री/डॉक्टरेट डिग्री। **(ii)** रॉकेट प्रोपलशन/कम्बशन में अनुभव/अनुसंधान कार्य।	**1. एयरोस्पस इंजीनियरी** **2. एयरानॉटिकल इंजीनियरी** **3. मेकेनिकल इंजीनियरी** **4. मेकेनिकल व ऑटोमेशन इंजीनियरी** **5. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी** **6. एयरोस्पेस इंजीनियरी(एवियोनिक्स)** **7. अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'मेकेनिकल' या 'एयरोस्पेस' या 'एयरानॉटिकल' उल्लिखित हो।**
12	01	मेकेनिकल इंजीनियरी	**योग्यता :** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii) निम्नलिखित में से किसी दो क्षेत्रों में अनुसंधान या डिजाइन या विकास में न्यूनतम तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव:** **a)** क.इलैक्ट्रोमेकेनिकल सिस्टम या टोड अंडरवाटर बॉडीज या मूर्ड सिस्टम या इलैक्ट्रॉनिक पेकेजिंग के क्षेत्र में मेकेनिकल सिस्टम्स का डिजाइन। ख. अंडरवाटर स्ट्रक्चर्स। ग.फाइनाइट एलीमेंट स्ट्रक्चरल एनालिसिस। घ.सीएफडी एनालिसिस(थर्मल या हाइड्रोडाइनामिक्स)। **वांछनीय:** **(i)** मेकेनिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिग्री। **(ii)** जर्मन, प, रशियन, जापानी या चीनी विदेशी भाषा का ज्ञान।	**1.मेकेनिकल इंजीनियरी** **2.मेकेनिकल व ऑटोमेशन इंजीनियरी** **3. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी** **4.अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'मेकेनिकल' उल्लिखित हो।**

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
13	01	इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी/इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरी/ इलैक्ट्रॉनिक्स व इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी/इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरी/ मेकेनिकल इंजीनियरी	**योग्यता :** **अनिवार्य:** **(i)** मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मेकेनिकल इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में कम से कम प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। **(ii) निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक क्षेत्रों में अनुसंधान या डिजाइन या विकास में न्यूनतम तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव:** **क. डिजाइन एंड साइम्यूलेशन ऑफ एमईएमएस सेंसर्स** **ख.सिलीकॉन आधारित एमईएमएस सेंसर फेब्रिकेशन प्रौद्योगिकी** **ग.एमईएमएस सेंसर्स पेकेजिंग और कैरेक्टराइजेशन।** **वांछनीय:** **(i)** माइक्रोइलैक्ट/वीएलएसआई/नेनाटैकनोलॉजी/सॉलिड स्टेट प्रौद्योगिकी/सेंसर सिस्टम प्रौद्योगिकी/ सॉलिड स्टेट सामग्री में इंजीनियरी या पीएचडी में स्नातकोत्तर डिग्री।	**1.इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी** **2. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्प्युटर इंजीनियरी** **3. इलैक्ट्रॉनिक्स व नियंत्रण इंजीनियरी** **4.इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी।** **5. इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीमैटिक्स इंजीनियरी** **6.औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी** **7.इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरी** **8. टेलीकम्युनिकशन इंजीनियरी।** **9.टेलीकम्युनिकेशन व सूचना टेक** **10.इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी** **11. अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी**

आयटम सं.	रिक्तियों की संख्या(लैब/ईएसटीटी)	विषय/अनुशासन	योग्यताएं और अनुभव	अनिवार्य योग्यता के समकक्ष स्वीकार्य विषय
			प्रौद्योगिकी/ सॉलिड स्टेट सामग्री में इंजीनियरी या पारैद्योगी में स्नातकोत्तर डिग्री। (ii) जर्मन, फ्रेंच, रशियन, जापानी या चीनी विदेशी भाषा का ज्ञान।	12. इलैक्ट्रॉनिक्स व इलैक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरी। 13. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी (एवियोनिक्स) 14.इलैक्ट्रिकल के साथ कम्युनिकेशन इंजीनियरी। 15. रेडियो फिजिक्स और इलैक्ट्रॉनिक्स 16. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी। 17. इलैक्ट्रिकल व इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी। 18.इलैक्ट्रिकल पावर सिस्टम इंजीनीयरी। 19.इलैक्ट्रिकल व रिन्यूवबल एनर्जी इंजीनियरी। 20. पावर इंजीनियरी। 21.पावर इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी। 22.इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी। 23.इंस्ट्रुमेंटेशन व कंट्रोल इंजीनियरी। 24.मेकेनिकल इंजीनियरी 25.मेकेनिकल व ऑटोमेशन इंजीनियरी। 26. मेकेनिकल व उत्पादन इंजीनियरी 27.अर्हक अनिवार्य डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'इंस्ट्रुमेंटेशन' 'मेकेनिकल' उल्लिखित हो।
14	02*	न्यूक्लियर मेडिसिन	**योग्यता:** **अनिवार्य:** (i) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की पहली सनुसूची या दूसरी अनुसूची या तीसरी अनुसूची के भाग प्प् में शामिल एक चिकित्सा योग्यता। कथित अनुसूची मके भाग II में शामिल चिकित्सा योग्यताओं के धारक को कथित अधिनियम के अनुभाग 13 के उपअनुभाग में विनिर्दिष्ट शर्तों को पुरा करना होगा। (ii) न्यूक्लियर मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिग्री अपेक्षित है। (iii) न्यूक्लियर मेडिसिन के अपेक्षित क्षेत्र में तीन वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।	--
15	04	**इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी**	**योग्यता:** **अनिवार्य:** 1. मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री या समकक्ष। 2. अनुसंधान या डिजाइन और विकास या उत्पादन में न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव। क. माइक्रोवेव सीएडी उपकरण(एचएफएसएस/एडीएस/माइक्रोवेव ऑफिस/सीएसटी स्टुडियो आदि) का प्रयोग करके डिजाइन, साइम्यूलेशन, ब्रोडबैंड आरएफ सर्किट और एटेन के विकास, टेस्टिंग/कैरेक्टराइजेशन के क्षेत्र में (या) ख. डिज़ाइन, सिमुलेशन, एनालेसिस, टेस्टिंग एण्ड क्वालिफिकेशन इंटीग्रेशन और रडार/कम्यूनिकेशन/EW सब सिस्टम/सिस्टम के क्षेत्र में (या) ग़. मतलब/सी/सी++ का प्रयोग करके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन, एलगोरिथम विकास, सिग्नल प्रोसेसिंग यूनिट का साइम्युलेशन, एनालिसिस, परीक्षण, इंटीग्रेशन और निष्पादन आंकलन (या) के क्षेत्र में घ. मतलब/सी/सी++, ऑपरेटिंग सिस्टम/डिवाइस ड्राइवर आदि का प्रयोग करके एंबेडेड सिस्टम हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर डिजाइन और विकास के क्षेत्र में(या) च. वीएचडीएल/वेरीलोग, वीएलएसआई/चिप डिजाइन आदि का प्रयोग करके एफपीजीए आधारित हार्डवेयर और फर्मवेयर विकास के क्षेत्र में । **वांछनीय:** 1.इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरी या समकक्ष अनुशासन में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डॉक्टरेट या स्नातकोत्तर डिग्री। 2. जर्मन, फ्रेंरेच, रशिनय, जापानी या चीनी भाषा का ज्ञान।	1. इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी 2. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्प्युटर इंजीनियरी 3. इलैक्ट्रॉनिक्स व नियंत्रण इंजीनियरी 4. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन प्रौद्योगिकी। 5.इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी(उद्योग एकीकृत) 6. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन सिस्टम इंजीनियरी 7. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी(माइक्रोवेव्ज़) 8. इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी (सैंडविच) 9.इलैक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन इंजीनियरी(रेडियो एंड सिस्टम)। 10. इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी 11.इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरी। 12. इलैक्ट्रॉनिक्स व टेलीकम्यूनिकेशन प्रौद्योगिकी (इलैक्ट्रॉनिक रेडियो) 13. इलैक्ट्रॉनिक्स और टेलीमैटिक्स इंजीनियरी। 14. औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी। 15. टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरी। 16. टेलीकम्युनिकशन और जानकारी टेक। 17. अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक्स व इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरी। 18. इलैक्ट्रॉनिक्स व इलैक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरी 19. इलैक्ट्रिकल के साथ कम्युनिकेशन इंजीनियरी 20. रेडियो फिजिक्स व इलैक्ट्रॉनिक्स 21. इलैक्ट्रिकल इंजीनियरी 22. इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरी 23. इलैक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरी (एवियोनिक्स)। 24. अर्हक डिग्री के साथ अन्य कोई संबंधित अनुशासन जिसमें मुख्य अनुशासन के रूप में 'इलैक्ट्रॉनिक्स' उल्लिखित हो।

(*) चिह्नित यद वे पद हैं जिसके लिए दिव्यांग/पीडब्ल्युडी श्रेणियों(दृष्टि बाधित को छोड़कर) के सभी उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। शेष पद वे पद जिसके लिए दिव्यांग/पीडब्ल्युडी उम्मीदवारों की विशिष्ट श्रेणियों से उम्मीदवार जैसे एसिड अटैक पीढ़ित और बौनापन ही आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण जानकारी:

आवेदन का ऑनलाइन जमा करना:

विभिन्न पदों के लिए उक्त विवरण अनुसार, आवेदकों को सुनिशिचत करना होगा कि वे विज्ञापन की **अंतिम तिथि अर्थात् 09 मई 2025 (शाम 4 बजे)** के अनुसार पात्रता मानदंड(आयु, अनिवार्य योग्यता, अनुभव के संदर्भ में) को पूरा करते हैं। उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के लिए आरएसी की वेबसाइट पर सबसे पहले ऑनलाइन रजिस्टर करना होगा।

क. पंजीकरण सफल होने पर उम्मीदवार लॉगइन करें और अंतिम समय में नेटवर्क की गड़बड़ी से बचने के लिए विज्ञापन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन आवेदन जमा करें।

ख. एक से अधिक पद के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार को प्रत्येक पद के लिए अलग आवेदन करना होगा। ऐसे मामले में विभिन्न आयटमों के लिए अंतिम चयन के लिए कृपया सभी पद जिसके लिए आवेदन किया है/आवेदन करना चाहते हैं, के आयटम संख्या के साथ सभी आयटमों के लिए प्राथमिकता के क्रम का उल्लेख करें।

ग. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या ईमेल ना बदलें क्योंकि उनके लघुसूचीकरण/चयन स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी को ईमेल/एसएमएस द्वारा सूचित किया जाएगा।

घ. आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन में अपने सभी विवरण के लिए ध्यान से दस्तावेज भरें/अपेललोड करें। अपलोड किए गए प्रमाणपत्र/ दस्तावेजों के साथ आवेदन की समीक्षा करने के साथ आवेदन को जमा करने के लिए लॉक कर दिया जाए। सभी रूपों में केवल लॉक किए गए आवेदनों पर विचार किया जाएगा। डाटा/आवेदन में किसी भी शुद्धिकरण की अनुमति नहीं होगी और एक बार आवेदन अंतिम रूप से जमा किए जाने पर किसी भी दस्तावेज को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

च. उम्मीदवारों को अपने लॉगइन करने पर अपनी पात्रता स्थिति संबंधित नियमित अपडेट के लिए आरएसी की वेबसाइट(ीजजचेरूध्ध्तंबण्कतकवण्हवअण्पद) देखने की सलाह दी जाती है।

छ. विवाद, यदि कोई है, को केवल दिल्ली के क्षेत्राधिकार में न्यायालय/अधिकारण में होगा।

ज. उम्मीदवारों को बुलाए जाने पर साक्षात्कार के समय सत्यापन के लिए मूल सभी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे।

झ. उम्मीदवारों को जमा करने के बाद ऑनलाइन आवेदन(पीडीएफ प्रारूप) का प्रिंटआउट लेने की सलाह दी जाती है।

ट. अपूर्ण आवेदनों पर सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

पात्रताः

1. अकादमिक अपेक्षाएंः

1.1 उम्मीदवारों के पास मान्यताप्राप्त् विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत इंजीनियरी /प्रौद्योगिकी प्रमाणपत्र में प्रथम श्रेणी डिग्री या समकक्ष का धारक होना चाहिए।

1.2 उम्मीदवारों को ''योग्यताएं और अनुभव'' कॉलम के अधीन उल्लिखित अनुसार संबंधित क्षेत्र में निर्धारित अनुभव धारक होना चाहिए और तथ्य को प्रमाणित करने के लिए दस्तावेजी प्रमाण होना चाहिए।

उच्च योग्यता के लिए महत्व निम्नलिखित शर्तों पर दिया जाएगाः

क. उच्च योग्यता के लिए महत्व, अनुसंधान अनुभव के समकक्ष किया जाएगा और नीचे दिया गया हैः

(i) इंजीनियरी में स्नातकोत्तर योग्यताः 2 वर्ष का महत्व।

(ii) मेडिसिन में स्नातकोत्तर डिग्री(केवल चिकित्सा पद के लिए)ः 3 वर्ष का महत्व।

(iii) इंजीनियरी में डॉक्टरेट डिग्रीः 4 वर्ष का महत्व।

नोटः एमई/एम.टेक का विवरण या इंजीनियरी में डॉक्टरेट डिग्री के मामले में परियोजना/विवरण/थिसीस ऐसे क्षेत्र में होनी चाहिए जो दिए गए पद के लिए अनुभव के अपेक्षित क्षेत्र से संबंधित हो।

ख. उक्त (i) और (iii) धारक उम्मीदवारों के मामले में केवल उच्च डिग्री का महत्व उक्त नोट पर होगा।

ग. उच्च योग्यता को महत्व अनुभव के रूप में माना जाएगा तभी जब उच्च योग्यता संबंधित अनुशासन में है और संबंधित उच्च योग्यता को अंतिम तिथि से पहले प्राप्त किया गया हो। उम्मीदवारों को इसलिए सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन पत्र में 'अन्य' अनुभाग के अधीन रस्टिफिकेशन कॉलम को भरते समय अनिवार्य और/या वांछनीय योग्यता के अधीन उल्लिखित अपेक्षाओं से मेल खाते प्राप्त अनुभव(उच्च योग्यता या नौकरी अनुभव द्वारा) को दर्शाएं।

घ. केवल 3 वर्ष तक का अधिकतम महत्व अनुसंधान अध्येता/अनुसंधान सहयोगी आदि(अनुभव के पूर्ण किए गए प्रत्येक वर्ष के लिए) के रूप में कार्य अनुभव के लिए दिया जाएगा और एमई/एम.टेक डिग्री धारक ऐसे उम्मीदवार के मामले में केवल एक वर्ष का महत्व उक्त नोट पर अनुभव के लिए दिया जाएगा। हालांकि एडीए बैंगलूरू में जेआरएफ/एसआरएफ के पदनाम को परियोजना सहायक के रूप में दोबारा पदनामित किया गया है। इसलिए ऐसे परियोजना सहायकों(केवल एडीए में कार्यरत) को अनुभव में महत्व का लाभ मिलने के पात्र होंगे, जो दोबारा पदनामित करने के बाद प्राप्त किया गया है।

च. अध्ययन की अवधि कार्य अनुभव के साथ ओवरलैप नहीं होनी चाहिए।

(हालांकि वेहटेज स्वतः नहीं होगा, यह डीआरडीओ से संबंधित उम्मीदवार द्वारा किए गए उच्च योग्यता और अनुसंधान की संबद्धता पर निर्भर करेगी)

2. उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा(विज्ञापन की अंतिम तिथि के अनुसार)

क. वैज्ञानिक 'डी'/'ई'/'एफ' के लिएः 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

ख. वैज्ञानिक 'ग' के लिएः 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

ऊपरी आयु सीमा में छूट(सरकारी नियमों के अनुसार)ः

क. दिव्यांग/पीडब्ल्युडी उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष तक।

ख. पद जो समान लाइन या संबद्ध काडर में हैं, में कार्यरत(नियमित आधार पर) सेवारत सिविलियन केन्द्र सरकारी कर्मचारियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष तक की छूट है और जहां एक रिश्ता स्थापित किया जा सकता है कि एक विशेष पद पहले से प्रदत्त सेवा को विज्ञापत पदों के कार्यों के कुशल निर्वहन के लिए लाभकारी होगा।

ग. भूतपूर्व एसएससीओ/ईसीओ सहित भूतपूर्वसैनिक के लिए ऊपरी आयु सीमा में प्रचलन में नियमानुसार छूट है।

घ. एससी सी और उक्त से संबंधित रिक्तियों के लिए श्रेणी आरक्षण लागू नहीं है इसलिए आरक्षित श्रेणियों के अधीन आयु में कोई छूट नहीं है।

नोटः अधिकतम आयु, उक्त उल्लिखित किसी भी आयु में छूट सहित 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

3. राष्ट्रीयता : केवल भारतीय नागरिक आवेदन कर सकते हैं।

4. कार्य अनुभव

4.1 अपेक्षित अनुभव को उस तिथि के बाद से गिना जाएगा जब अनिवार्य योग्यता प्राप्त की गई है। अनुभव गिनते समय, धारित अनुभव के स्तर की उपयुक्तता पर विचार किया जाएगा। योग्य लेवल या वेतन समकक्षता संबंधी विवरण के लिए कृपया आरएसी की वेबसाइट देखें और 'पे इक्विवेलेंस मानदंड' चेक करें।

4.2. प्रत्येक नियुक्ति रिकॉर्ड के लिए अनुभव की अवधि और प्रकृति अंकित करते सभी अनुभव प्रमाणपत्र/दस्तावेज/पदोन्नति आदेशों को अपलोड किया जाना चाहिए।

4.3. सभी पदों के लिए, उम्मीदवारों को विज्ञापन की अंतिम तिथि से पहले आवेदित पद से कम एक स्तर पर वर्तमान अनुभव स्तर प्राप्त किया होना चाहिए। 7वें सीपीसी के अनुसार वेतन लेवल-10 से कम कोई भी अनुभव या समकक्ष पर विचार नहीं किया जाएगा। योग्य स्तर या पे इक्विवेलेंस संबंधी विवरण के लिए कृपया आरएसी की वेबसाइट देखें और 'पे इक्विवेलेंस मानदंड' चेक करें।

4.4 उम्मीदवार जो निजी क्षेत्र में काम कर चुके हैं या वर्तमान में काम कर रहे हैं उन्हें आहरित वेतन/कॉस्ट टू कंपनी(सीटीसी)/सीटीसी संशोधन दस्तोवज/पद के लिए अनुभव के रूप में दावा की गई अवधि के दौरान फार्म 16ए का प्रमाणप जमा करना होगा। अनुभव का योग्य स्तर निर्धारित करते समय केवल आहरित वेतन/ सीटीसी/फार्म 16ए एकमात्र मानदंड होगा। योग्य लेवल या पे इक्विवेलेंस संबंधी विवरण के लिए कृपया आरएसी की वेबसाइट देखें और 'पे इक्विवेलेंस मानदंड' चेक करें।

4.5 अंशकालिक आधार पर उम्मीदवार द्वारा प्रदत्त अनुभव की अवधि, दैनिक वेतन, शिक्षु या विजिटिंग/अतिथि संकाय के रूप में,कनीकी सहायक, शिक्षण सहायक, अनुसंधान सहायक, परियोजना सहायक(एडीए को छोड़कर) आदि को योग्य अनुभव की गणना करते समय गिना नहीं जाएगा।

4.6 अनुभव प्रमाणपत्र/प्रमाण में उम्मीदवार का नाम, पदनाम, आहरित वेतन, कार्यभार ग्रहण करने/छोड़ने की तिथि के साथ सीटीसी और कार्य के क्षेत्र लिखा होना चाहिए।

4.7 उम्मीदवारों को सभी अनुभव प्रमाणपत्र, वेतन पर्ची, पदोन्नति आदेश या पदनाम/वेतनमान/सीटीसी संशोधन आदि में परिवर्तन से संबंधित प्रमाण अपलोड करने होंगे। अनुभव की अवधि अर्थात् कार्यभार ग्रहण करने की तिथि के साथ वेतनमान/सीटीसी और प्रत्येक नियुक्ति रिकॉर्ड की तिथि, योग्य अनुभव की अवधि को सत्यापित करने के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

4.8 प्रशासन/एचआर अध्यक्ष/निदेशक/प्रधानाचार्य/डीन/पंजीयक/संस्था के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाणपत्र/प्रमाण ही स्वीकार्य होगा। ग्रुप/प्रभाग अध्यक्ष/परियोजना अध्यक्ष/प्रोफेसर या विभागाध्यक्ष आदि द्वारा जारी अनुभव प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

4.9. अध्येतावृत्ति से संबंधित अनुभव प्रमाणपत्र, उक्तकथित सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी होना चाहिए।

काडर नियंत्रण प्राधिकारी (सीसीए) घोषणा और पावती:

4.10. सरकारी या सरकारी स्वामित्व वाले संगठन(पीएसयू/संयुक्त वेंचर, सरकार प्रचारित सोसायटी और सरकार/गैर सरकारी कंपनी/एजेंसी/एंटीटी जहां सरकारी या सरकारी प्रचारित कंपनी/एजेंसी/एंटीटी का 50ः का एक संयुक्त नियंत्रण स्टेक है) में कार्यरत सभी सेवारत उम्मीदवार(स्थायी या अस्थायी क्षमता में कार्यरत) को आवेदन(वेबसाइट पर दिए गए प्रारूप के अनुसार) के ऑनलाइन जमा करने के समय एक हस्ताक्षरित घोषणा अपलोड करनी होगी, वचनपत्र कि उन्होंने आरएसी,डीआरडीओ में पद के लिए अपने आवेदन के बारे में अपनी काडर नियंत्रण प्राधिकारी (सीसीए) को लिखित में सूचित कर दिया है, ऐसा ना करने पर उम्मीदवारी को अस्वीकार कर दिया जाएगा। आवेदन पर किसी भी आपत्ति के मामले में, नियोक्ता को ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि के 15 दिन के अंदर आपत्ति संबंधी आरएसी(ईमेलःसंजमतंसा०तमबतनपजउमदज/हवअण्पद) के साथ सीधे पत्राचार कर सकते हैं।

4.11.इन उम्मीदवारों को अपने नियोक्ता के साथ अपने पत्राचार के प्रमाण(मूल) प्रस्तुत करना होगा अर्थात् नियोक्ता को सूचना और साक्षात्कार के समय(यदि बुलाया जाता है) वांछित पद के लिए अपने आवेदन संबंधी नियोक्ता से प्राप्त पावती, ऐसा ना करने पर उनकी उम्मीदवारी को निरस्त माना जाएगा।

4.12. ऐसे उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा कि केवल निर्धारित प्रारूप(आरएसी की वेबसाइट पर उपलब्ध) में नियोक्ता को सूचित किया जाएगा इसके अलावा अन्य किसी प्रारूप में सूचना पर विचार नहीं किया जाएगा।

4.13.ऐसे उम्मीदवारों को ध्यान देना होगा कि यदि नियोक्त से पत्राचार को पद के लिए आवेदन कर रहे उम्मीदवार को अनुमति को रोकते हुए आरएसी द्वारा प्राप्त किया जाता है, तो उनकी उम्मीदवारी को निरस्त किया जा सकता है।

5. आवेदन शुल्क और भुगतान का माध्यम

सामान्य, अपिव और इडब्ल्युएस पुरूष उम्मीदवारों केवल ऑनलाइन देय रूपये 100/-(केवल रूपये एक सौ) का एक अप्रतिदेय एक अहस्तांतरणीय आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। अजा/अजजा/दिव्यांग और महिला उम्मीदवारों के लिए कोई आवेदन शुल्क नहीं है।

6. स्क्रीनिंग/लघुसूचीकरणः

प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग विभिन्न स्तरों पर की जाएगी जिसमें शामिल निम्नलिखित हैः

6.1 प्रशासनिक स्क्रीनिंग आरंभिक स्तर पर योग्य अनुभव की अवधि और पहचान, आयु, अनिवार्य और उच्च योग्यताओं के सत्यापन के लिए की जाएगी।

6.2 सभी प्रशासनिक रूप से पात्र आवेदनों के लिए तकनीकी स्क्रीनिंग(दो स्तरों पर हो सकती है, यदि अपेक्षित है) प्रत्येक रिक्ति के लिए विज्ञापित अनुभव के साथ उम्मीदवारों द्वारा धारित अनुभव की उपयुक्तता के सत्यापन के लिए की जाएगी। तकनीकी रूप से स्क्रीन किए गए आवेदन (लेवल-1 पर तकनीकी स्क्रीनिंग आधारित आत्मवृत्त) को निम्नलिखित प्रक्रियाओं में से एक या अधिक को अपनाकर प्रीडिफाइन्ड रेशियो' में आगे की चयन प्रक्रिया के लिए लघुसूचीबद्ध किया जाएगाः

क. शैक्षिक योग्यताएं और/अनुभव के आधार पर।

ख. योग्य अनुभव की संबद्धता।

ग. वांछनीय योग्यता के आधार पर।

घ. उद्योग/अकादमिक/डीआरडीओ से तकनीकी विशेषज्ञ सहित एक तकनीकी स्क्रीनिंग समिति बैठक का आयोजन करके।

6.3 लेवल-1 पर तकनीकी स्क्रीनिंग के बाद, यदि उक्त उल्लिखित प्रक्रियाओं में से किसी एक के अनुसार अंतिम निजी साक्षात्कार के लिए लघुसूचीबद्ध उम्मीदवारों की संख्या अधिक है, तो आगे का लघुसुचीकरण लेवल-2 पर तकनीकी स्क्रीनिंग अर्थात् लघु अवधि(10-15 मिनट) के प्रीलिमिनरी ऑनलाइन साक्षात्कार आयोजित करके की जाएगी। प्रीलिमिनरी ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए लघसूचीबद्ध किए गए उममीदवारों की संख्या निम्नानुसार है (उनकी उपलब्धता पर):

प्रीलिमिनरी ऑनलाइन साक्षात्कार (यदि लागू है) के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों के लिए 'प्रीडिफाइन्ड रेशियो

(i)	एक पद के लिए	केवल 24 उम्मीदवार तक
(ii)	2-3 पदों के लिए	केवल 48 उम्मीदवार तक
(iii)	4-6 पदों के लिए	केवल 72 उम्मीदवार तक

प्रीलिमिनरी ऑनलाइन साक्षात्कार में निष्पादन के आधार पर उम्मीदवारों को अपनी उपलब्धता पर निम्नलिखित प्रीडिफाइन्ड रेशियो'' में अंतिम निजी साक्षात्कार के लिए लघुसूचीबद्ध किया जाएगा.

अंतिम निजी साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों के लिए **प्रीडिफाइन्ड रेशियो

(i)	एक पद के लिए	केवल 12 उम्मीदवार तक
(ii)	2-3 पदों के लिए	केवल 24 उम्मीदवार तक
(iii)	4-6 पदों के लिए	केवल 36 उम्मीदवार तक

निम्नलिखित एतद्द्वारा सूचित किया जाता है:

- यदि आरंभिक स्तर पर प्रशासनिक स्क्रीनिंग, पात्र उम्मीदवारों (अर्थात् एक रिक्ति के लिएन्यूनतम 06 उम्मीदवार)की पर्याप्त संख्या में परिवर्तित नहीं होती है तो को कथित रिक्ति के लिए बाद की चयन प्रक्रिया को निरस्त किया जाएगा।
- यदि तकनीकी स्क्रीनिंग(लेवल-1 या लेवल-2 पर) से उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या(अंतिम निजी साक्षात्कार के लिए रिक्ति के अनुसार न्यूनतम 06 उम्मीदवार) में परिवर्तित नहीं होती है तो रिक्तियों की संख्या को उस संया तक कम कर दिया जाएगा जहां तक उम्मीदवारों की संख्या अंतिम निजी साक्षात्कार के लिए पर्याप्त पाई गई है।
- उक्तउल्लिखित कारणों में से किसी एक के कारण भर्ती प्रक्रिया के निरस्तीकरण के मामले में संबंधित पदों को दोबारा विज्ञापित किया जाएगा।

नोटः आरएसी, योग्य उममीदवारों की उपलब्धता के आधार पर स्क्रीनिंग/लघुसीकरण प्रक्रिया को संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

7. चयन प्रक्रियाः

7.1 उम्मीदवारों का अंतिम चयन पूर्णतः केवल अंतिम निजी साक्षात्कार में उम्मीदवार द्वारा स्कोर किए गए अंकों की योग्यता के आधार पर होगा। सभी रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों को चयन के लिए विचार के लिए अंतिम निजी साक्षात्कार में न्यूनतम 75ः अंक (अर्थात् 100 में से 75) स्कोर करना चाहिए। इसके लिए सूचना/ साक्षात्कार अनुसूची आरएसी की वेबसाइट द्वारा दी जाएगी।

7.2 पात्रता, आवेदन की स्वीकृति या अस्वीकृति से संबंधित सभी मामलों में सभी निर्णय अंतिम होगा और किसी भी उम्मीदवार या उसकी एजेंसी के संबंध में किसी भी पूछताछ या पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा।

8. सेवा की देयता

केन्द्र सरकार नियमों के अनुसार, चयनित उम्मीदवारों को दूर/फील्ड क्षेत्र स्थानों सहित भारत में कहीं भी सेवा देयता होगी।

9. अंतिम तिथि

ऑनलाइन जमा 09 मई 2025(शाम 4 बजे) तक आरएसी की वेबसाइट पर उपलबध रहेगा।

10. सामान्य अनुदेश

10.1 उम्मीदवारों को उनके ऑनलाइन आवेदन में उनके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर निजी साक्षात्कार के लिए लघुसूचीबद्ध किया जाएगा। उन्हें सुनिश्चित करना होगा कि उनके द्वारा दी गई जानकारी सही है। साक्षात्कार या बाद के किसी भी स्तर पर उनके द्वारा दी गई कोई भी जानकारी या उनके ऑनलाइन आवेदन में उनके द्वारा किया गया दावा झूठा/गलत पाया जाता है, उनकी उम्मीदवारी को अस्वीकार कर दिया जाएगा और उन्हें आरएसी द्वारा आयोजित किसी भी भविष्य की चयन प्रक्रिया में प्रस्तुत होने से एक विशिष्ट अवधि के लिए या स्थायी रूप से निकाल भी दिया जाएगा।

10.2 रिक्तियों की संख्या बदल सकती है।

10.3 अनुवाद अस्पष्टता , यदि कोई है, को विज्ञापन के अंग्रजी भाषांतरण में सुलझाया जाएगा।

10.4 दावा किए गए अनुभव की अवधि जैसे काग्रभार ग्रहण की तिथि/छोड़ने की तिथि/ वर्तमान नौकरी स्थिति को अपेलोड किए गएअनुभव प्रमाणपत्र/दस्तावेजसे आयानी से सत्यापन किया जाना चाहिए।

10.5 उचित वेतन प्रमाण को पासबुक प्रविष्टियां, बैंक अकाउंट स्टेटमेंट आदि के रूप में अपलोड किए गए को वेतन प्रमाण के रूप में विचार नहीं किया जाएगा।

10.6 यदि आयु में छूट लेनी है तो उम्मीदवार को सुनिश्चित करना होगा कि पूर्व में भूतपूर्वसैनिक श्रेणी के अधीन आयु में छूट का दावा नहीं किया गया है और इसके लिए संबंधित प्रमाण अपलोड किया जाना अपेक्षित है ।

10.7 आवेदक को डीआरडीओ में वर्तमान में काम कर रहे रिश्तेदारों, यदि कोई है, का विवरण साफ-साफ उल्लेख करना होगा।

10.8 किसी भी रूप में सिफारिश उम्मीदवार को अयोग्य बना देगी।

11. चेक लिस्ट (अपलोड किए जाने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज)

कृपया सुनिश्चित करें:

अपलोड किए जाने वाले प्रत्येक दस्तोवेज/प्रमाणपत्र की फाइल का आकार 100 केबी से 500 केबी के बीच होना चाहिए और अपलोड किए गए दस्तोवज पाठ्य और पावर्ड रहित होना चाहिए।

11.1 जन्मतिथि(डीओबी) प्रमाण अर्थात् उपयुक्त स्थानीय प्राधिकारी आदि द्वारा जारी स्वसत्यापित मैट्रिक प्रमाणपत्र/हाईस्कूल प्रमाणपत्र/जन्म प्रमाणपत्र को अपलोड किया गया है और जन्मतिथि उल्लिखित है।

11.2 एक हाल का पासपोर्ट आकार फोटो(50 केबी से अधिक नहीं होना चाहिए) को अपलोड किया गया है।

11.3 उम्मीदवार के हस्ताक्षर(50 केबी से अधिक नहीं होना चाहिए) का स्कैन किया गया नमूना को अपलोड किया गया है।

11.4. अनिवार्य योग्यता और उच्च योग्यता संबंधी स्वसत्यापित डिग्री प्रमाणपत्र/शंसापत्र के साथ अंकतालिका को अपलोड किया गया है।

11.5 अध्येतावृत्ति के शुरू होने और खत्म होने की तिथि का उल्लेख के साथ अध्येतावृत्ति प्रमाण।

11.6 विधिवत हस्ताक्षरित घोषणा (यदि लागू है) को अपलोड किया गया है।

11.7. अपलोड किए गए किसी भी दस्तावेज/प्रमाणपत्र के साथ आवेदन पत्र में उल्लिखित अनुसार उम्मीदवार के नाम और/या माता पिता के नाम में असमानता के मामले में समर्थन में संबंधित नोटराइज्ड एफिडेविट को अपलोड किया गया है।

11.8. यदि कोई भी प्रस्तुत दस्तावेज/प्रमाणपत्र अंग्रेजी या हिन्दी के अलावा अन्य किसी भाषा में है तो एक नोटराइज्ड ट्रांस्क्रिप्ट को अपलोड किया गया है।

11.9 दावा किए गए प्रत्येक नियुक्ति/अनुभव के लिए आहरित वेतन के प्रमाण के रूप में सभी अनुभव प्रमाणपत्र(शुरू और खत्म की तिथि) और वेतन प्रमाण/नियुक्ति पत्र(वेतनमान या सीटीसी), फॉर्म 16ए और वेतन पर्ची(शुरू में और आखिर में) पदोन्नति पत्र(संशोधित मान या सीटीसी के साथ) अपलोड किए गए हैं।

11.10. अपलोड किए गए अनुभव प्रमाणपत्र को सक्षम प्राधिकारी केवल जैसे प्रशासन/एचआर एध्यक्ष/निदेशक/प्रधानाचार्य/डीन/पंजीयक/संगठन के अध्यक्ष द्वारा जारी होना चाहिए।

11.11 अपेक्षित जाति/असशक्तता प्रमाणपत्र, यदि आप दिव्यांग/अजा/अजजा श्रेणी (केवल शुल्क छूट के लिए) को अपलोड किया गया है।

11.12. अपेक्षित सेवामुक्ति प्रमाणपत्र यदि आप एक सेवाविनृत्त सशस्त्र सेना कार्मिक हैं, को अपेलोड किया गया है।

11.13. शुल्क का भुगतान किया गया है, यदि आप अना/अपिव/ईडब्ल्युएस श्रेणी से संबंधित हैं(महिला उममीदवारों को छोड़कर)।

11.14. अंतिम रूप से जमा किए गए ऑनलाइन आवेदन की प्रिंटआउट रख लिया या है।

12. चेतावनी

चयन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर पाए गए तथ्यों/जानकारी के गलत प्रस्तुतिकरण या चयन प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर दुर्व्यवहार के मामलों में किसी भी सूचना के बिना उम्मीदवारी को निरस्त कर दिया जाएगा और इस संदर्भ में किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि आरएसी लागू अनुसार(पैरा-5) आवेदन शुल्क को छोड़कर भर्ती प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर किसी भी भुगतान के लिए अनुरोध नहीं करता है। उम्मीदवार ध्यान दें कि ऐसी मांग, यदि कोई है, पर विचार नहीं किया जाएगा और मामले अध्यक्ष आरएसी, डीआरडीओ, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली-110054 के पास ईमेल बींपतउंदण्तंब/हवअण्पद या डाक द्वारा आरएसी के अध्यक्ष की जानकारी में लाया जाएगा । उममीदवार की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

13. संपर्क विवरण

1. इस विज्ञापन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने से संबंधित सभी पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें फोन नंः 011-23812955 या **lateral1.recruitment@gov.in** पर ईमेल करें।
2. इस विज्ञापन से संबंधित अन्य किसी भी पूछताछ के लिए पीआरओ 011-23830599 पर या **lateral1.recruitment@gov.in** पर ईमेल भेजें।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

14 अप्रैल, 2025

भारतीय संविधान निर्माता और भारत रत्न
बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर शत-शत नमन

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

रा.रो.सं 8/2025

वार्षिक अभिदाताओं/एजेंट हेतु आवश्यक सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश (पाक्षिक) के वार्षिक अभिदाता बनने हेतु अथवा वर्तमान में चल रहे अभिदाता जिनका वार्षिक शुल्क समाप्त होने जा रहा है वें रु 60/- की राशि का भारतीय पोस्टल आर्डर या डिमान्ड ड्राफ्ट सहायक निदेशक (प्रकाशन) राजस्थान रोजगार संदेश के पक्ष में भेजकर इस पाक्षिक पत्र के वार्षिक सदस्य बन सकते हैं। – **संपादक**

सूचना

राजस्थान रोजगार संदेश के प्रकाशित लेखों एवं प्रशिक्षण एक परिचय में प्रयुक्त विषय वस्तु लेखकों/संस्थानों की अपनी हैं। सम्पादक इन विषय वस्तु एवं इनसे उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार के विवाद के लिए किसी भी तरह उत्तरदायी नहीं है। – **संपादक**

राजस्थान रोजगार संदेश

मुख्य सम्पादक
धर्मपाल मीना
निदेशक, रोजगार सेवा निदेशालय
राजस्थान, जयपुर
मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
डॉ. संजीव सोलंकी
सहायक निदेशक (प्रकाशन), राजस्थान रोजगार संदेश, जयपुर
डाक का पता: सहायक निदेशक प्रकाशन, दरबार स्कूल परिसर,
गोपीनाथ मार्ग, जयपुर, पिनकोड- 302001

e-mail–adrs.jpr.emp@rajasthan.gov.in

स्वत्त्वाधिकारी, रोजगार सेवा निदेशालय, राजस्थान सरकार के लिए मुद्रक सहायक निदेशक (प्रकाशन) द्वारा मितश्योर टेक्नोलॉजीज एलएलपी, बी. 121 मंगल मार्ग बापूनगर, जयपुर 302015 (राज.) (प्रिंटिंग प्रेस, बी.-26 विजय मुकुन्दपुरा नायला रोड, कानोता, जयपुर) से मुद्रित एवं दरबार स्कूल परिसर, गोपीनाथ मार्ग, जयपुर से प्रकाशित। संपादक– डॉ. संजीव सोलंकी